दशोरा शब्द जाति सूचक नहीं है

गतांक से आगे

'दशोरा' शब्द जाति सूचक नहीं है- मेवाड़ में रह रहे अधिकांश दशोरा परिवार अपने नाम के आगे 'दशोरा' उपनाम लगाते है किन्तु यह 'दशोरा' शब्द किसी जाति का सूचक नहीं है। मूल रुप से इस जाति का नाम 'नागर' (ब्राह्मण) था जो बड़नगर में निवास करती थी। वहां से इसका एक वर्ग प्रश्नोरा चला गया जिससे उस स्थान के नाम से ये 'प्रश्नोरा नागर' अर्थात् प्रश्नोर में रहने वाले नागर कहलाये। फिर ये दशपुर में आये जिससे ये अपना परिचय 'दशपुरीय प्रश्नोरा नागर' से देने लगे। ये ही नागर जब मेवाड़ में आये तो इनका सम्बोधन 'दशपुर ज्ञाति' से होने लगा जो प्राचीन प्रशस्तियों में पाया जाता है। धीरे-धीरे ये दशपुर राज्य (दशोर राज्य) के आधार पर अपने को 'दशोरा' कहने लगे। इस प्रकार प्रश्नोरा एवं दशोरा शब्द जाति के सूचक नहीं है बल्कि स्थान के सूचक हैं। जाति सूचक शब्द तो केवल 'नागर' है। बड़नगरा, विशनगरा, साठोदरा आदि नागरों का नामकरण भी स्थान के अनुसार ही हुआ जो जाति का बोध नहीं कराते बल्कि स्थान का बोध कराने वाले हैं। यदि दशोरा को एक जाति मान लिया जाये तो मन्दसौर से आये सभी व्यक्ति एक ही जाति के माने जाते जैसे दशोरा तेली, दशोरा तम्बोली, दशोरा बलाई, दशोरा महाजन आदि किन्तु ऐसा नहीं है। यदि किसी स्थान विशेष पर रहने के कारण से उसे एक जाति मान लिया जाये तो आगे बेठूम्बी, मालीखेड़ा उदयपुर आदि में रहने वाले दशोरों की भी अलग-अलग जातियां बन जायेगी जो किसी जाति के नामकरण का आधार नहीं है। इस जाति ने 'दशोरा' शब्द उपनाम के रुप में कब व क्यों स्वीकार किया इसका पता नहीं चलता किन्तु प्राचीन समय में इसका प्रयोग नहीं होता था तथा मेवाड़ से बाहर रहने वाले दशोरा आज भी इसका प्रयोग नहीं करते।

ये अपना उपनाम गोत्र अथवा अवटंक के नाम पर रखते थे जैसे झोटिंग भट्ट, भट्ट धनेश्वराय, भट्ट विष्णु आदि। आज से कुछ समय पूर्व भी व्यास, भट्ट, चौबे, मिश्र आदि अवटंक लिखने की ही प्रथा थी। विक्रम सम्वत 1962 में महाराजा श्री फतह सिंह जी ने दशोरा जाति की जो तहकीकात कराई थी उसमें भी इस जाति के व्यक्तियों ने अपना उपनाम व्यास, भट्ट, मिश्र आदि ही लिखा है। एक ने भी 'दशोरा' नहीं लिखा है जिसे इस पुस्तक के प्रकरण 10 के अन्त में देखा जा सकता है।

आज भी कई दशोरा परिवार अपना उपनाम कौशल्य, उपाध्याय, शर्मा, व्यास आदि लिखते हैं किन्तु कुछ लोगों ने दशोरा लिखना आरंभ कर दिया जिससे कई व्यक्ति आजकल अपना उपनाम 'दशोरा' लिखने लग गये। संभवत यह उपनाम इन्होंने मन्दसोर की स्मृति को अपने परिचय के रुप में बनाये रखने के लिए ही स्वीकार किया हो जो यद्यपि उचित ही है किन्तु यह शब्द जाति का बोध नहीं कराता। जाति का बोध कराने वाला शब्द तो 'नागर' ही है। जिस प्रकार अन्य नागर अपना उपनाम 'नागर' ही लिखते है, बड़नगरा, विशनगरा आदि नहीं लिखते, उसी प्रकार दशोरों का भी जाति सूचक शब्द नागर ही है। बड़नगरा, विश नगरा, प्रश्नोरा आदि शब्द भी दशपुर की ही भांति स्थान सूचक ही हैं। दशोरा उपनाम लिखने का एक परिणाम यह भी हुआ कि यह जाति नागरों से भिन्न जाति मानी जाने लगी तथा अन्य नागरों से इसका सम्बंध ही टूट गया जिसे सिद्ध करवाने में कठिनाई हो रही है। यद्यपि वर्तमान में अन्य नागरों के साथ कई विवाह सम्बध हुए है जिससे इसकी एकता पुनः बन रही है किन्तु कई नागर आज भी इस जाति को नागर कहने एवं विवाह सम्बंध स्थापित करने में संकोच करते हैं जबकि यह नागर ब्राह्मणों की ही एक उपजाति है।

नोट- पूर्व में लिखा गया है कि दशोरा जाति ने मन्दसौर पर आठ सौ वर्ष तक शासन किया। यह जनश्रुति के आधार पर तथा कुछ प्राचीन हस्तलिखित सामग्री के आधार पर ही लिखा गया है इसके लिए ऐतिहासिक एवं तथ्यात्मक प्रमाण ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्रकरण में आगे दिये जा रहे हैं। (शेष अगले अंक में)

संकलन- श्रीमती शीला दशोरा

लघुकथा

ममता

सहेलियों के साथ ऊधम करते हुए नन्ही नम्रता गिर गई और उसके दायें पैर की हड्डी टूट गई। जब डॉक्टर ने बताया कि मेजर फ्रेक्चर है और शायद ऑपरेशन करना पड़े, तो माँ रोने लगी। नम्रता ने अपनी तकलीफ के बीच कहा- 'मम्मी, कल तो तुम कह रही थी कि ज्यादा तंग करेगी, तो तेरी टांग तोड़ दूंगी और आज टांग टूट गई तो जोर-जोर से रो रही हो!'

-सूर्यकांत नागर

।। श्री गणेशाय नमः ।।

विजय स्टील डेकोर

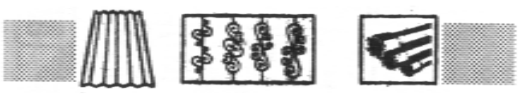

35, धनवन्तरी नगर, जी-1, राजसुधा अपार्टमेन्ट, दधिची चौराहा, इन्दौर फोन 2321578, मो. 98268-32786, 98936-24291

।। श्री सांई नमामि नमः ।।

फाइबर शीट मनभावन रंग एवं डिजाईन्स में रेडी स्टॉक में उपलब्ध
घर में बाल्कनी एवं सीढ़ीयों में उपयोग होने वाली
Railing Stair Case/Casting/Wrought Iron/Stainless Steel, Brass Exclusive
G.P. Fitting "Spring", Sanitary Fitting Gold Line. C.P.
की सम्पूर्ण श्रृंखला व सभी कम्पनियों के.जी.आई.पाइप के विक्रेता
सभी प्रकार के हार्डवेयर का सामान इन्दौर शहर के मूल्य पर
आपकी कालोनी में उपलब्ध

R.K. Dave (Pappu)